तथा बहार राग गाते समय निषादांग स्वर समूह का प्रयोग ~~मल्हार~~ समक में नहीं होता	दोनों निषादों को बढ़ाते है। जैसे नि॒ऽऽ ध निऽऽऽ सां जिससे मल्हार अंग साफ आता है,
(6) राग बहार का सा-म स्वर समुदाय राग वाचक स्वर है	जबकी मियांमल्हार में रे-प. स्वर समुदाय राग वाचक स्वर है।
(7) राग बहार उत्तरांग प्रधान राग है,	जबकी मियांमल्हार पूर्वांग प्रधान राग है।